कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या.... 438927

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures)

(In Words) ---

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में ---

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी ☐

विषय ....सामाजिक........

परीक्षा का दिन........शनिवार........

दिनांक ....18 – 3 – 2017........

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Roundoff)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक ☐☐☐☐

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 161/2017

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशषां पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर / अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका / ग्राफ / मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि / अन्तर / विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	1	कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन (1929) में 'पूर्ण स्वराज की मांग की जिसकी अध्यक्ष्यता जवाहर लाल नेहरू ने की।
	2	लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में 'सामाजिक विविधताओं में सामंजस्य' स्थापित किया जाता है।
	3	दो या अधिक देशों के विकास की तुलना का उपयुक्त माप प्रतिव्यक्ति आय (औसत आय) को माना जाता है।
	4	मुद्रा को विनिमय का माध्यम कहा जाता है। क्योंकि यह विनिमय में मध्यस्ता का काम करती है,
	5	निवेश ⇒ पूंजी जैसे भवन, जमीन, दुकान या उपकरण आदि को खरीदने के लिए खर्च की गई पूंजी ही निवेश कहलाती है।
	6	उपभोक्ता शोषण के रूप ⇒ 1) मिलावटी खाद्य तेल या पदार्थ देना। 2) MRP से अधिक मूल्य वसूल करना।
	7	जलियांवाला बाग हत्याकांड ⇒ 13 अप्रेल 1919 को पंजाब के अमृतसर में जलियांवाला मैदान में लोग सालाना वैशाखी मेले में हिस्सा लेने व कुछ लोग रोलेट एक्ट का विरोध करने आए थे। शहर से बाहर होने के कारण लोगों को मार्शल लॉ लागू कर दिए जाने के बारे में जानकारी नहीं थी। जनरल डायर

परीक्षक द्वारा अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		ने सैनिको के साथ आकर मैदान को चारों ओर से बंद कर दिया व गोली चलाना शुरू कर दिया। इस दिन सैंकड़ो लोग मारे गए।
	8	दुर्लभ जातियां ⇒ वे जातियां जिनकी संख्या कम होती जा रही है व इन पर विपरित असर डालने वाली परिस्थितियों को न रोका गया तो संकटग्रस्त जातियों में शामिल हो जाएंगी। जैसे :- हिमालयन भूरा भालू
	9	भारत में जैवविविधता के कम होने के कारण i) जीवों का आवास नष्ट होना ii) व्यापार के लिए जीवों का शिकार या आखेटन करना। iii) पर्यावरण प्रदूषण व विषाक्तीकरण iv) दावानल से भी जैव विविधता का ह्रास हुआ है।
	10	बहुउद्देशीय नदी परियोजनाओं की हानियां ⇒ i) बहु उद्देशीय नदी परियोजनाओं (बांध) के कारण नदी का प्राकृतिक बहाव अवरुद्ध होने से तल चट्टानी हो जाता है जिस कारण जीवों के आवास में भोजन की कमी होती है। ii) नदियों के कई भागों में बंटने से अंडे देने की ऋतु में जीवों का स्थानान्तरण अवरुद्ध हुआ है। iii) नदियों के तल में बहाव कम होने से जल

BSER-161/2017

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

के साथ आने वाली उपजाऊ मृदा बाढ़ के मैदानों तक नहीं पहुँच पाती हैं जिस कारण भूमि निम्नीकरण की समस्या उत्पन्न होती है।

iv) बांध से आई बाढ़ के कारण लोगों को विस्थापित होना पड़ता है।

1 वैश्वीकरण का कृषि पर प्रभाव ⇒

प्राचीन काल से ही भारत अन्य देशों में मसाले, धातु आदि का निर्यात करता रहा है लेकिन वर्तमान में अधिक उपज होने के बावजूद उच्च लागत के कारण विदेशों से आयातित कम कीमत वाली उपज से प्रतिस्पर्धा करने में असफल रहा है क्योंकि वहाँ के किसान सरकार से अत्यधिक सहायिकी प्राप्त करते हैं व अपनी उपज को कम मूल्य पर बेचते हैं जिस कारण भारत में वैश्वीकरण के कारण कृषि पर बुरा प्रभाव पड़ा है जबकि अन्य देशों पर अच्छा प्रभाव पड़ा है।

2 तांबा खनिज के उपयोग ⇒

i) आघातवर्ध्य व तन्य होने के कारण बिजली के तार बनाने में प्रयोग किया जाता है।

ii) विद्युत का चालक होने के कारण इलेक्ट्रॉनिक उद्योगों में भी इसका उपयोग किया जाता है।

3 ध्वनि प्रदूषण के कारण ⇒

i) लकड़ी चीरने आदि उद्योग से निकली ध्वनियाँ

ii) उद्योगों में मशीनों व उपकरणों के कारण

iii) अत्यधिक वाहनों से व उनके हॉर्न से भी

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

ध्वनि प्रदूषण होता है।
iv) समारोह में लाउड स्पीकर आदि का प्रयोग करने से भी ध्वनि प्रदूषण होता है।

14

स्थानीय व्यापार	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार
i स्थानीय इलाकों, शहर व गांव के स्थानीय बाजार में होने वाले वस्तुओं के आदान प्रदान को स्थानीय व्यापार कहते हैं।	i दो या अधिक देशों के मध्य वस्तुओं के आदान-प्रदान को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कहते हैं।
ii यह किसी देश के भीतर ही होता है।	ii यह देश के बाहर होता है।

15 19वीं सदी में विश्व अर्थव्यवस्था में आए तकनीकी परिवर्तन ⇒

i) यातायात में परिवर्तन ⇒ रेल परिवहन को बेहतर करने के लिए डिब्बों की संख्या में वृद्धि हुई बोगियों का भार कम किया गया, जहाज का आकार बढ़ा दिया गया ताकि वस्तुओं को कम समय में आसानी से अन्य जगहों पर पहुंचाया जाने लगा।

ii) रेफ्रीजरेटर का आगमन ⇒ जहाजों पर रेफ्रीजरेटर के आगमन से मांस का आयात निर्यात किया जाने लगा। जानवरों की तुलना में मांस के व्यापार के कारण लागत कम होने लगी जिस कारण ये उत्पाद सस्ते हो गए। जानवरों बीच रास्ते में

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खराब हो जाते, मर जाते थे जिस कारण यह मंहगा होता था लेकिन मांस सस्ते होने के कारण गरीबों के भोजन का हिस्सा बन गए।

iii) कन्वेयर बेल्ट से उत्पादन ⇒ हेनरी फोर्ड ने कन्वेयर बेल्ट से बृहत उत्पादन की शुरुआत की। इस तकनीक के कारण उस समय हर 3 मिनट में एक कार बन जाती है। T मॉडल कार पहली कार थी जो इस तकनीक से बनी

---

16 वस्तुओं के लिए बाजार में अत्यधिक उपभोक्ता तैयार करने के लिए विज्ञापन का अत्यधिक महत्व था।

1) वस्तु की आवश्यकता ⇒ विज्ञापन से वस्तु को जरूरी सामान के रूप में दिखाया जाता था तथा वस्तु की आवश्यकता पैदा कर दी जाती थी। कभी-कभी कंपनियाँ कृष्ण या अन्य देवता की तस्वीर के साथ उत्पाद का विज्ञापन करते थे। यह दिखाया जाता था कि देवता भी चाहते हैं कि आप इन वस्तुओं का उपभोग करो। भारतीयों ने स्वदेशी बाजार तैयार करने के लिए भारत माता की छवि का प्रयोग किया था।

2) अनपढ़ / निरक्षर के लिए कलेंडर ⇒ वस्तु के विज्ञापन के लिए कलेंडर तैयार किए जाने लगे। ये कलेंडर चित्र सहित थे, लोग इन्हें वर्षभर देख सकते थे। ये सब निरक्षर लोगों को वस्तु का उपभोग करने के लिए तैयार करने के लिए तैयार किया गया था। कभी-कभी इन पर प्रसिद्ध

BSER-161/2017

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

नवाब व राजाओं की तस्वीरों का प्रयोग कर यह जताया जाता कि ये उत्पाद शाही खानदान की नजर में बने हैं अतः इनकी गुणवत्ता पर शक नहीं किया जा सकता है।
अतः बाजार में उपभोक्ता तैयार करने के लिए विज्ञापनों का प्रयोग किया जाता था।

18 वियना सम्मेलन ⇒ 1815 में ब्रिटेन, रूस, प्रशा, ऑस्ट्रिया आदि जिन ताकतों ने नेपोलियन को हराया था, के प्रतिनिधि वियना नामक स्थान पर मिले। इसकी मेजबानी ऑस्ट्रिया के चांसलर ड्यूक मैटरनिख ने की थी।

उद्देश्य ⇒

1) एक रूढ़ीवादी समाज की स्थापना।
2) उन सभी चीजों में बदलाव करना जो नेपोलियन के शासन काल में हुए थे।

इस सम्मेलन के प्रावधान ⇒

1) फ्रांस में पुनः बुर्बो वंश के शासन को बहाल किया गया।
2) फ्रांस की सीमाओं पर अनेक नए राज्य स्थापित किए गए ताकि फ्रांस अपनी सीमाओं में विस्तार न कर सके। जैसे दक्षिण इटली को ऑस्ट्रिया में मिला गया, उत्तर में नीदरलैण्ड आदि।
3) नेपोलियन के 39 राज्यों के जर्मन महासंघ को बनाए रखा गया।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

19 लोकतंत्र एक उत्तरदायी, जिम्मेवार व वैध शासन है।
1) उत्तरदायी ⇒ लोकतंत्र में जनता ही अपने शासक को चुनती है। तथा शासक जनता के प्रति जिम्मेवार रहते हैं क्योंकि उन्हें आगामी चुनाव में हारने का भय होता है। इस प्रकार लोकतंत्र में जनता के पास शासक का बदलने का अवसर भी होता है।
2) जिम्मेवार ⇒ लोकतंत्र एक जिम्मेवार शासन प्रणाली है। जनता ही सारी शक्ति का स्रोत है और स्व शासन की संस्थाओं के माध्यम से देश पर शासन करती है। शासक दल जनता व सरकार (विधायिका) दोनों के प्रति जवाबदेह होता है।
3) वैध शासन ⇒ लोकतंत्र में सभी फैसले निर्णय कायदे कानून के अनुसार, पारदर्शिता के साथ लोगों के हित में लिए जाते हैं। इसमें निर्णय लेने से पहले विचार विमर्श किया जाता है। जिस कारण गलत फैसले लेने की गुंजाइस नहीं रहती है।

---

20 आज के संदर्भ में भारतीय लोकतंत्र में निम्न सुधार किए जा सकते हैं।
1) महिला प्रतिनिधि की बढ़ोतरी ⇒ आज भी राजनीति में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बहुत कम है इस कारण विधानसभा व राज्यसभा, लोकसभा में महिलाओं को एक निश्चित संख्या (एक तिहाई) आरक्षण देना चाहिए ताकि उनकी संख्या में वृद्धि हो

PTO

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

iii) दलों में आंतरिक लोकतंत्र को मजबूत करना ⇒
आज भारतीय लोकतंत्र में दल के केवल प्रमुख नेता ही आगे बढ़ रहे हैं व पैसों की चुनाव में भूमिका भी बढ़ रही है इसलिए दलों में आंतरिक लोकतंत्र को और मजबूत करने की आवश्यकता है तथा दल में भी प्रमुख नेता के लिए चुनाव होने चाहिए।

iii) स्थानीय स्वशासन को अधिक शक्तियाँ देना ⇒
भारत में तीसरे स्तर की सरकार अर्थात स्थानीय स्वशासन को कुछ और शक्तियाँ प्रदान करके मजबूत करना चाहिए ताकि लोगों की भागीदारी बढ़े क्योंकि अधिक से अधिक राजनीति का अर्थ है बेहतर राजनीति।
दलों को जाति के आधार पर वोट लेना भी कम करना चाहिए।

---

21 सार्वजनिक सुविधाएँ ⇒ (i) रेलवे, (ii) डाक विभाग, (iii) सड़क, (iv) थाना (v) पुल (vi) सार्वजनिक शैक्षिक व चिकित्सा संस्थाएँ,

---

22

औपचारिक क्षेत्रक ऋण	अनौपचारिक क्षेत्रक ऋण
i) इस ऋण की ब्याज दर कम होती है।	i) इस ऋण की ब्याज दर अधिक होती है।
ii) ऋण लेने के लिए कागजात, समर्थक ऋणाधार आदि की आवश्यकता होती है लेकिन ऋण वापस लेने	ii) इसके लिए अधिक औपचारिकता की जरूरत नहीं पड़ती केवल जान-पहचान के आधार पर

BSER-161/2017

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

औपचारिक क्षेत्रक ऋण	अनौपचारिक क्षेत्रक ऋण
के लिए कर्जदार का शोषण नहीं किया जाता।	भी ऋण दे देते हैं लेकिन वसुलने के लिए कर्जदार का शोषण करते हैं।
इसका स्रोत बैंक व सहकार समिति हैं।	इसका स्रोत महाजन, व्यापारी, साहूकार आदि हैं।

3 बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लाभ ⇒

i) बहुराष्ट्रीय कंपनियों के कारण उनके साथ संयुक्त रूप से काम करने वाली स्थानीय कंपनियों को दोहरा लाभ होता हैं। एक तो उन्हें कंपनियां निवेश करने हेतु अत्यधिक धन देती हैं दूसरा नवीनतम तकनीक अपने साथ लेकर आती हैं।

ii) बहुराष्ट्रीय कंपनियों के कारण लोगों को रोजगार मिला हैं व उनके सामने वस्तुओं के विकल्प भी बढ़े हैं। अमीर लोगों का जीवन स्तर बेहतर हुआ हैं।

4 उपभोक्ता विवादों को निपटाने के लिए हमारे देश में त्रि-स्तरीय न्यायिक तंत्र की स्थापना की गई हैं।

i) स्थानीय/जिला स्तरीय ⇒ इस अदालत में 20 लाख तक के मामलों की सुनवाई की जाती हैं व उपभोक्ता को न्याय दिया जाता हैं। इसके न्याय से असंतुष्ट उपभोक्ता राज्य स्तरीय अदालत में जा सकता हैं।

ii) राज्य स्तरीय ⇒ इस अदालत में 20 लाख से 1 करोड़ तक के उपभोक्ता से जुड़े मामलों की

PTO

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

सुनवाई की जाती है। राज्य स्तरीय न्यायालय के निर्णय से असुंतुष्ट उपभोक्ता राष्ट्रीय स्तरीय न्यायालय में जा सकता है।

iii) राष्ट्र स्तरीय ⇒ यह सबसे उच्चतम स्तर की अदालत है इसमें 1 करोड़ रु. से अधिक मूल्य से जुड़े मामलों की सुनवाई की जाती है साथ ही राज्य स्तर से आए मामलों की भी सुनवाई की जाती है।

इस प्रकार उपभोक्ता इन न्यायालयों में न्याय प्राप्त कर सकता है।

---

26 मृदा अपरदन ⇒

मृदा के कटाव व बहाव की प्रक्रिया मृदा अपरदन कहलाती है।

मृदा अपरदन प्राकृतिक व मानवीय कारकों के के कारण होता है।

1 प्राकृतिक कारण ⇒

मृदा अपरदन जल व पवन के कारण होता है।

- जल मृतिकायुक्त मिट्टी से बहता हुआ उसे अवनालिकाओं में विभाजित कर देता है जिस कारण मृदा अपरदन होता है।
- कभी-2 जल ढलान वाली भूमि पर मृदा की ऊपरी परत साथ बहा कर ले जाता है, उसे चादर अपरदन कहते हैं।
- पवन भी मृदा की ऊपरी परत को उड़ा ले जाती है, पवन अपरदन कहते हैं।

BSER-161/2017

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

2. मानविय कारण ⇒

• ढलान वाली भूमि पर ऊपर से नीचे की ओर जुताई के कारण भी मृदा अपरदन होता है क्योंकि इस कारण जल अवनलिका के रूप में मृदा को बहा ले जाता है।

• खनन, वनों की कटाई भी मृदा अपरदन के कारण हैं।

संरक्षण के उपाय ⇒

i) समोच्च जुताई ⇒ ढाल व पहाड़ी क्षेत्रों पर समोच्च रेखाओं के समांतर जुताई करने से जल व पवन मृदा को उड़ा नहीं ले जा सकती, इस कृषि की जुताई समोच्च जुताई कहलाती है।

ii) सीढ़ीनुमा कृषि ⇒ पहाड़ी क्षेत्रों में सीढ़ीनुमा कृषि के कारण जल नीचे बह जाता है लेकिन उसकी गति कम हो जाती है।

iii) पट्टी कृषि ⇒ खेतों को पट्टियों में बांटकर फसलों के बीच घास की पट्टी लगाई जाती है। इस कारण मृदा मजबूत से बंधी रहती है।

iv) रतीले टीलों में कंटीली झाड़ियाँ लगाने व पेड़ों की रक्षक मेखला लगाने से भी मृदा संरक्षण किया जा सकता है।

PTO

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

27 साम्प्रदायिकता राजनीति में अनेक रूप धारण कर सकती है ये रूप निम्न हैं ⇒

i) धार्मिक पुर्वाग्रह ⇒
साम्प्रदायिकता का यह रूप दैनंदिन जीवन में देखने को मिलता है। धार्मिक पुर्वाग्रह धर्म के बारे में पूर्व से बनी धारणाएँ व एक धर्म को दूसरे धर्म से श्रेष्ठ मानने की मान्यताएँ इसमें शामिल हैं।

ii) बहुसंख्यक राजनीति ⇒
साम्प्रदायिकता का लक्ष्य राजनीति में अपना प्रभाव जमाना होता है। बहुसंख्यक समाज के लिए यह सोच बहुसंख्यकवाद का रुप ले लेती है। जबकि अल्पसंख्यकों में यह एक नई इकाई बनाने की धारणा बन जाती है।

iii) राजनीतिक गोलबंदी ⇒
साम्प्रदायिकता राजनीतिक गोलबंदी कभी करवाती है। जैसे - धर्म के पवित्र प्रतिकों, धर्मगुरुओं, धार्मिक मान्यताओं व अपने ही लोगों के मन में डर बैठाने जैसे तरीकों का प्रयोग किया जाता है।

iv) नरसंहार ⇒
कभी-कभी साम्प्रदायिकता अपने सबसे गंदा रूप लेकर समाज में हिंसा व नरसंहार करवाती है। भारत-पाकिस्तान विभाजन के समय ये दंगे देखे जा सकते हैं।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

28 नेपाल में 'लोकतंत्र के लिए दूसरा आंदोलन' ⇒

नेपाल 1990 में आजाद हुआ व संवैधानिक राजतंत्र को स्वीकार किया। राजा केवल औपचारिक शासक था। निर्णय लेने की शक्ति व सता पर शासन जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि करते थे। राजा वीरेन्द्र ने इसे स्वीकार किया। लेकिन शाही खानदान के रहस्यमय कत्लेआम में राजा वीरेन्द्र की मौत हो गई। नए राजा ज्ञानेन्द्र ने लोकतांत्रिक सरकार की अलोकप्रियता का फायदा उठाते हुए 2005 में प्रधानमंत्री को अपदस्थ कर दिया व संसद को भंग कर दिया। 2006 में इसी के विरोध में आंदोलन हुआ।

आंदोलन की मांग ⇒ लोगों ने मांग की राजतंत्र से पुनः लोकतंत्र आए व सारी शक्ति जनता के हाथ में आ जाए।

स्वरुप ⇒ नेपाल की प्रमुख लोकतांत्रिक पार्टियों ने मिलकर सप्त दलीय गठबंधन बनाया और काठमांडू में 4 दिन के बंद का आह्वान किया लेकिन बाद में यह अनियतकालीन बंद में बदल गया। लोगों ने भी इसका समर्थन किया। 21 अप्रैल को लोगों की संख्या 3 लाख पहुंच गई। माओवादी भी इसमें शामिल हो गए। संगठन व लोगों ने राजा को अल्टीमेटम सौंपा, राजा ने कुछ रियायत देने के लिए कहा लेकिन संगठन ने अस्वीकार कर दिया। 24 अप्रैल (अल्टीमेटम के आखिरी दिन) राजा ने गद्दी छोड़ दी। SPA व माओवादी ने गिरिजा प्रसाद कोइराला को प्रधानमंत्री चुना।

PTO

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

लक्ष्य ⇒ i) सर्वदलीय सरकार बनाना।
ii) संविधान सभा का गठन हो।
iii) संसद का गठन हो।

---

29 आर्थिक गतिविधियों को तीन भागों में विभाजित किया गया है।

i) प्राथमिक क्षेत्रक ⇒
इस क्षेत्रक में प्राकृतिक उत्पादों का प्रयोग किया जाता है, इसे प्राथमिक क्षेत्र कहते हैं क्योंकि यह अन्य सभी का आधार है जिसे हम निर्मित करते हैं।
कृषि व वन से माल लेने के कारण इसे कृषि व सहायिकी क्षेत्रक भी कहते हैं।
जैसे :- कृषि, डेयरी, खनन, वन

ii) द्वितीयक क्षेत्रक ⇒
प्राथमिक क्षेत्र से प्राप्त उत्पाद को तकनीक की सहायता से अन्य पदार्थों में विनिर्मित किया जाता है, इसे द्वितीयक क्षेत्रक कहते हैं।
यह उद्योगों से जुड़ा हुआ है इस कारण इसे औद्योगिक क्षेत्र कहते हैं।
जैसे :- कपास से कपड़ा बनाना, गन्ने से चीनी बनाना।

iii) तृतीयक क्षेत्रक ⇒
यह क्षेत्रक अन्य क्षेत्र से भिन्न है। इस कारण यह वस्तुओं के उत्पादन की बजाय सेवा प्रदान करता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

इसलिए इसे सेवा क्षेत्रक कहते हैं।
जैसे :- परिवहन, व्यापार, भण्डार आदि

3. (3) भारतीय संविधान में केन्द्र व राज्यों के बीच विधायी अधिकारों को तीन हिस्सों में बांटा है व तीन सूचियां तैयार की हैं जिसमें उनके अधिकार विषय रखे गए हैं।

i) संघ सूची ⇒ इस सूची में प्रतिरक्षा, विदेशी मामले, बैंकिंग, मुद्रा, संचार आदि विषय रखे हैं जो केन्द्र के महत्व के हैं। इन विषयों पर कानून बनाने का अधिकार केन्द्र सरकार के पास है।

ii) राज्य सूची ⇒ इस सूची में पुलिस, व्यापार वाणिज्य, सिंचाई, कृषि आदि राज्य के महत्व के रखे गए हैं। इन पर कानून बनाने अधिकार राज्य सरकार के पास है।

समवर्ती सूची ⇒ इस सूची में विवाह गोद लेना, संपत्ति, उत्तराधिकार आदि विषय रखे गए हैं। इन पर राज्य व केन्द्र दोनों सरकार कानून निर्मित कर करती हैं लेकिन विवाद की स्थिति में केन्द्र सरकार का निर्णय मान्य होगा।

कुछ अधिशेष विषयों पर कानून बनाने का अधिकार केन्द्र का है। जैसे :- सॉफ्टवेयर

PTO

BSER-161/2017

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	3 ब i	सार्वजनिक परिवहन सुविधाओं के अधिकाधिक उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए योजनाओं बनानी चाहिए व छोटे वाहनों के अलावा सभी को बस लेन का प्रयोग करना चाहिए ताकि भीड़ भी कम हो और बस लेन खाली भी न रहे।
	ii	सड़क दुर्घटना शराब पीकर वाहन चलाने से हो सकती है क्योंकि नशे में व्यक्ति का स्वयं पर व वाहन पर नियंत्रण नहीं रहता।
	iii	नागरिकों को यातायात के नियमों व सड़क सुरक्षा के बारे में जानकारी देकर उनके "जीने के अधिकार" की रक्षा की जाती है क्योंकि ऐसा करने पर दुर्घटना की संभावना कम हो जाती है। व्यक्ति का जीवन सुरक्षित रहता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	25	

उपन्यास साहित्य की आधुनिक विधा है, इसमें आधुनिक समाज की आलोचना व समर्थन किया जाता है। इसमें कहानियाँ व ऐतिहासिक घटनाओं, अपने विचारों व साहित्य को लिखा जाता है।

. पहले पाण्डुलिपियाँ होती थी जो कमजोर होती थी व फटने का भय होता था जिस कारण कम लोग ही पढ़ पाते थे लेकिन छपाईखाने के आविष्कार के बाद उपन्यास का आगमन हुआ। इस कारण बड़ा पाठक वर्ग भी तैयार हुआ।

. कुलीन वर्ग के संरक्षण से आजाद होकर लेखक स्वतंत्र रूप से लिखने लगे जिस कारण मुंशी, दुकानदार आदि भी पाठक वर्ग में शामिल हो गए।

. अधिक पाठक वर्ग के कारण ग्रामीण इलाके भी शहरों से जुड़ने लगे। पुस्तकालय खुलने के कारण गरीब लोग भी इन्हें पढ़ सकते थे।

. पहले लोग सामूहिक रूप से सुनते थे लेकिन अब अकेले भी इन्हें पढ़ सकते थे, इन्हें पढ़कर पाठक उपन्यास की दुनिया में चला जाता था।

. इसकी लोकप्रियता भी धीरे-2 बढ़ने लगी। चित्र सहित ये उपन्यास लोगों को आकर्षित करते थे।

PTO

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-161/2017

नामांक Roll No.

1	6	3	7	6	8	6

S-08-सामाजिक विज्ञान

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान अजमेर

माध्यमिक परीक्षा, 2017
SECONDARY EXAMINATION, 2017
सामाजिक विज्ञान
SOCIAL SCIENCE

उत्तर – 30

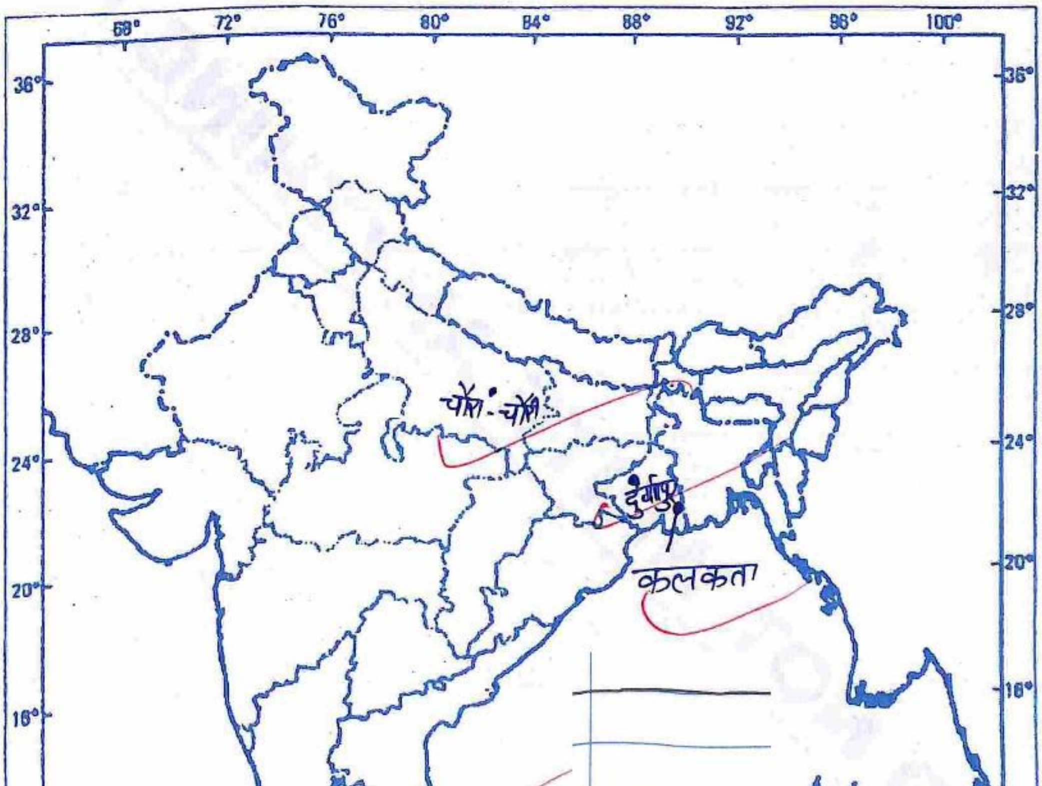

DO NOT WRITE ANYTHING HERE